वो एक माँ थी - भ्रमित कर देने वाली कहानी

आधी रात को बहुत बारिश हो रही थी।
अजय और उसकी बीवी प्रिया एक मंदिर के
यहाँ पर्व मनाकर अपनी गाडी से घर वापस लौट
रहे थे।
काफी रात हो चुकी थी ।
और बारिश की वजह से अजय बहुत धीमी गति से
गाड़ी चला रहा था।
तभी अचानक बिजली गिर गई।
बिजली की रोशनी मे अजय को गाड़ी के सामने
कुछ दिखाई दिया
उसने गाड़ी रोक दी।
गाड़ी रुकने पर उसकी बीवी ने कहा क्या हुआ
गाड़ी क्यों रोक दी?
अजय ने आगे की ओर इशारा किया।
प्रिया ने आगे देखा तो वो डर गयी।
क्यों कि गाड़ी के सामने एक औरत खड़ी थी।
वो औरत गाड़ी के पास आयी।और हाथ से
गाड़ी का शीशा नीचे करने का इशारा करने
लगी।अजय की बीवी प्रिया काफी डर
गयी थी।उसने अजय को गाडी चलाने को कहा।
लेकिन गाड़ी भी स्टार्ट नही हुई।गाड़ी के बाहर
खडी औरत बारिश की वजह से भीग गयी थी।
वो हाथ जोडकर गाड़ी का शीशा नीचे करने
का इशारा कर रही थी।
अजय को लगा कि वो औरत किसी मुसीबत मे है।
इसलिए उसने गाड़ी का शीशा नीचे किया।
वो औरत हाथ जोडकर बोली भाई साहब
मेरी मदत कीजिये।
तेज बारिश कि वजह से मेरी गाड़ी का एक्सीटेंड
हुआ है।
मेरी गाड़ी नीचे गिर गयी है।
उसमें मेरा छोटा बच्चा है।
प्लीज उसे बचाईये।
अजय गाड़ी से उतरा और उस औरत के पीछे गया।
उस औरत की गाड़ी काफी नीचे गिर गयी थी।
अजय ने नीचे उतरकर उस गाडी मे रो रहे बच्चे
को बाहर निकाला।
अजय को लगा की ड्रायवर की सीट पर भी कोई
है।जब अजय ने ड्राइवर की सीट पर देखा तो उसके
होश उड गये।
क्योंकि ड्राइवर की सीट पर वही औरत खून से
लथपत मरी पडी थी।
अजय को अब सब समझ मे आया।
वो बच्चे को लेकर अपनी गाड़ी के पास आया।
बच्चे को अपनी बीवी प्रिया को देने
लगा तो उसकी बीवी बोली
वो औरत कहां है?

वह कौन थीं?
अजय बोला...वो एक माँ थी।